पाठ 20

1. यद्यपि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया था, क्या परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने की अपनी योजना को छोड़ दिया था?

-नहीं।

2. क्योंकि हमारे बहुत से पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया था, परमेश्वर ने किसके माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने के लिए चुना था?

-अब्राम।

3. क्या परमेश्वर ने अब्राम को इसलिए चुना क्योंकि अब्राम ने पाप नहीं किया?

-नहीं।

-अब्राम पाप में पैदा हुआ था।

4. परमेश्वर ने अब्राम को क्यों चुना?

-अब्राम का मानना था कि उसका पाप मृत्यु के योग्य है।

-अब्राम का मानना था कि सिर्फ परमेश्वर ही उसे बचा सकते हैं।

-अब्राम का मानना था कि परमेश्वर उद्धारकर्ता को भेजेंगे।

5. अब्राम ने सारै से विवाह किया। उनके कितने बच्चे थे?

-कोई नहीं।

6. अब्राम और सारै के कोई सन्तान क्यों नहीं हुई?

-क्योंकि सराय बंजर थी।

7. परमेश्वर ने अब्राम से क्या करने को कहा?

-परमेश्वर ने अब्राम से कहा कि वह अपना देश छोड़ दे, और जहां परमेश्वर उसे ले जाएगा वहां जाओ।

8. परमेश्वर ने अब्राम से अपनी वाणी से बात की। परमेश्वर आज हमसे कैसे बात करता है?

-आज, परमेश्वर अक्सर अपनी पुस्तक, बाइबिल के माध्यम से हमसे बात करते हैं।

9. परमेश्वर ने अब्राम से क्या वादा किया?

-सबसे पहले, परमेश्वर ने वादा किया कि अब्राम के कई वंशज होंगे जो एक महान लोग बनेंगे।

-दूसरा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह अब्राम को आशीर्वाद देगा।

-तीसरा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह अब्राम को आशीर्वाद देने वालों को आशीर्वाद देगा, और अब्राम को शाप देने वालों को शाप देगा।

-चौथा, परमेश्वर ने अब्राम के वंशजों में से एक के माध्यम से सभी लोगों को आशीष देने का वादा किया।

10. अब्राम का वंशज कौन होगा, जिसके द्वारा सभी लोग आशीष पाएंगे?

-रक्षक।

11. उद्धारकर्ता क्या करेगा?

-उद्धारकर्ता पाप की शक्ति को हराने आएगा।

-मृत्यु की शक्ति को हराने के लिए उद्धारकर्ता आएगा।

-उद्धारकर्ता शैतान की शक्ति को हराने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता परमेश्वर और लोगों को फिर से एक साथ लाने के लिए आएगा।

12. क्या अब्राम ने परमेश्वर के वादों पर विश्वास किया?

-हां।

13. जब परमेश्वर ने अब्राम से अपनी प्रतिज्ञाएं कीं, तो अब्राम ने क्या किया?

-अब्राम उस देश को छोड़कर जहां वह रहता था, और परमेश्वर के पीछे उस देश में चला गया जहां परमेश्वर उसकी अगुवाई कर रहा था।

14. परमेश्वर अब्राम को कहाँ ले गया?

-परमेश्वर अब्राम को कनान नामक एक नई भूमि पर ले गया।

- क्या आपको याद है कि लूत कौन था?

- लूत अब्राम का भतीजा था जो अब्राम के साथ कनान गया था।

- एक दिन लूत और अब्राम के बीच अनबन हो गई।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 13:5-7

5- अब लूत के पास जो अब्राम के संग फिरता था, भेड़-बकरी, गाय-बैल और डेरे भी थे।

6 परन्तु जब तक वे एक साथ रहे, तब तक देश उनका साथ न दे सका, क्योंकि उनकी संपत्ति इतनी अधिक थी कि वे एक साथ नहीं रह सकते थे।

7 और अब्राम के चरवाहों और लूत के चरवाहों के बीच झगड़ा हुआ।

- लूत और अब्राम के बीच क्या समस्या थी?

-अब्राम के पास कई भेड़ें और मवेशी थे।

- लूत के पास कई भेड़ें और मवेशी भी थे।

-चूंकि लूत और अब्राम दोनों के पास इतनी भेड़ें और मवेशी थे, इसलिए सभी जानवरों को खिलाने के लिए पर्याप्त घास नहीं थी।

- अब्राम ने समस्या को हल करने के लिए क्या सोचा?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 13:8-9

8 तब अब्राम ने लूत से कहा, हम तेरे और मेरे बीच, वा तेरे चरवाहोंऔर मेरे बीच कोई झगड़ा न करें, क्योंकि हम भाई हैं।

9-क्या सारा देश तेरे साम्हने नहीं है? चलो कंपनी पार्ट करते हैं। यदि आप बाईं ओर जाते हैं, तो मैं दाईं ओर जाऊंगा; यदि तुम दायीं ओर जाओगे, तो मैं बायीं ओर जाऊंगा।"

-अब्राम ने सोचा कि उसे और लूत को अलग हो जाना चाहिए।

-अब्राम ने सोचा कि लूत को चुनना चाहिए कि वह कहाँ रहेगा।

-यदि लूत ने तराई में रहना चुना, तो अब्राम पहाड़ियों में रहेगा।

-अगर लूत ने पहाड़ियों में रहना चुना, तो अब्राम तराई में रहेगा।

- आइए पढ़ें कि लूत ने क्या करना चुना:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 13:10-11

10-लूत ने आंख उठाकर देखा, कि यरदन का सारा अराबा यहोवा की बारी के समान, और मिस्र देश के समान सोअर की ओर सींचा हुआ है।

11 तब लूत ने अपने लिये यरदन के सारे मैदान को चुन लिया और पूर्व की ओर चल दिया। दोनों लोग कंपनी से अलग हो गए।

-लूत ने तराई में रहना चुना।

-लूत ने तराई में रहने का चुनाव क्यों किया?

-क्योंकि वहाँ उसकी भेड़ों और मवेशियों को चराने के लिए बहुत घास थी।

- लूत केवल घास के बारे में सोच रहा था।

-लूत केवल अपनी कई भेड़ों और मवेशियों के बारे में सोच रहा था।

- लूत केवल धन के बारे में सोच रहा था।

-लूत ने तराई में रहने का गलत चुनाव किया।

- लूत ने गलत चुनाव क्यों किया?

-क्योंकि लूत ने परमेश्वर से नहीं पूछा कि क्या करना है।

-क्योंकि लूत ने परमेश्वर की सुनने से इंकार कर दिया।

-कैन ने परमेश्वर की बात मानने से इनकार कर दिया और उसने अपने भाई हाबिल को मार डाला।

-कैन के वंशजों ने भी परमेश्वर की बात मानने से इनकार कर दिया।

- कैन के सभी वंशज बाढ़ में मारे गए।

-क्या होगा अगर हम परमेश्वर को सुनने से इनकार करते हैं?

-अगर हम परमेश्वर की बात मानने से इनकार करते हैं, तो हम भी मर जाएंगे.

-अगर हम परमेश्वर की बात मानने से इनकार करते हैं, तो हम अनन्त आग की झील में जाएंगे, जिसे परमेश्वर ने शैतान और उसके राक्षसों के लिए तैयार किया था।

-क्या कई भेड़ें और मवेशी या धन हमें अनन्त आग की झील से बचाएंगे?

-नहीं।

- लूत ने परमेश्वर की सुनने से इनकार कर दिया, और तराई में चला गया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 13:12-13

12 अब्राम कनान देश में रहता या, और लूत तराई के नगरोंमें रहता या, और सदोम के निकट अपके डेरे खड़े किए।

13 अब सदोम के लोग दुष्ट थे और यहोवा के विरुद्ध बहुत पाप कर रहे थे।

- तराई में, दो शहर थे।

-इन नगरों के नाम सदोम और अमोरा थे।

-सदोम और अमोरा के लोग परमेश्वर में विश्वास नहीं करते थे।

-सदोम और अमोरा के लोग बहुत दुष्ट थे।

-क्या परमेश्वर ने सदोम और अमोरा के लोगों की दुष्टता देखी?

-हां।

-क्या हम परमेश्वर से कुछ भी छिपा सकते हैं जो हम सोचते हैं?

-नहीं।

-क्या हम ईश्वर से कुछ भी छिपा सकते हैं जो हम कहते हैं?

-नहीं।

-क्या हम कुछ भी छिपा सकते हैं जो हम परमेश्वर से करते हैं?

-नहीं।

- लूत के तराई में चले जाने के बाद परमेश्वर ने अब्राम से क्या कहा?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 13:14-15 और 17

14 जब लूत उसके पास से चला गया, तब यहोवा ने अब्राम से कहा, "तू अपनी आंखें जहां हो वहां से ऊपर उठा, और उत्तर और दक्खिन, पूरब और पच्छिम की ओर दृष्टि कर।

15- वह सारा देश जो तू देखता है, मैं तुझे और तेरे वंश को सदा के लिथे दूंगा।

17-जाओ, इस देश की लम्बाई-चौड़ाई में चल फिरो, क्योंकि मैं इसे तुझे देता हूं।

-परमेश्वर ने कहा कि वह अब्राम को कनान देश देगा।

- यह भी है कि परमेश्वर ने अब्राम से क्या कहा:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 15:5-6

5 तब यहोवा ने अब्राम को बाहर ले जाकर कहा, आकाश की ओर दृष्टि करके तारोंको गिन ले, यदि तू उन्हें गिन सकता है। तब उस ने उस से कहा, तेरा वंश ऐसा ही होगा।

6 अब्राम ने यहोवा की प्रतीति की, और उस ने उस को धर्म गिना।

-परमेश्वर ने यह भी कहा कि अब्राम के उतने ही वंशज होंगे जितने तारे।

-कितने तारे हैं?

-इससे ज्यादा कोई गिन सकता है।

- हालाँकि अब्राम के कोई संतान नहीं थी, फिर भी परमेश्वर ने अब्राम से कहा कि उसके उतने ही वंशज होंगे जितने तारे हैं।

- हालाँकि अब्राम की कोई संतान नहीं थी, क्या अब्राम ने परमेश्वर पर विश्वास किया?

-हां।

-अब्राम का मानना था कि परमेश्वर एक दिन उन्हें एक बच्चा देंगे।

-अब्राम का यह भी मानना था कि उसके वंशजों में से एक वह उद्धारकर्ता होगा जिसे परमेश्वर लोगों को बचाने के लिए भेजेगा।

- यह भी है कि परमेश्वर ने अब्राम से क्या कहा:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 15:13-16

13-तब यहोवा ने उस से कहा, निश्चय जान ले, कि तेरे वंश में अपके नहीं देश में परदेशी होंगे, और चार सौ वर्ष तक वे दास बने रहेंगे, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाएगा।

14 परन्तु मैं उस जाति को दण्ड दूंगा, जिसकी वे दासता से सेवा करते हैं, और उसके बाद वे बड़ी संपत्ति लेकर निकल आएंगे।

15-परन्तु तुम कुशल से अपने पितरों के पास जाओगे और बुढ़ापे में तुम्हें मिट्टी दी जाएगी।

16 तेरे वंश के लोग चौथी पीढ़ी में यहां लौट आएंगे, क्योंकि एमोरियों का पाप अब तक पूरा नहीं हुआ है।"

-परमेश्वर ने यह भी कहा कि अब्राम के वंशज दूसरे देश में रहने के लिए चले जाएंगे, और 400 साल बाद, परमेश्वर उन्हें कनान वापस लाएंगे।

-परमेश्वर को कैसे पता चला कि अब्राम के वंशजों का क्या होगा?

-परमेश्वर जानता था कि अब्राम के वंशजों के जन्म से पहले उनके साथ क्या होगा।

- क्या आप जानते हैं कि कल क्या होगा?

-नहीं।

-क्या आप जानते हैं कि अगले महीने क्या होगा?

-नहीं।

-क्या आप जानते हैं कि अगले साल क्या होगा?

-नहीं।

-लेकिन परमेश्वर सब कुछ जानता है।

-परमेश्वर जाने कल हमारे साथ क्या होगा।

-परमेश्वर जाने अगले महीने हमारे साथ क्या होगा।

-परमेश्वर जाने अगले साल हमारे साथ क्या होगा।

-परमेश्वर ही जानता है कि भविष्य में क्या होगा।

-जब अब्राम 99 वर्ष का था, तब परमेश्वर ने अब्राम से फिर से बात की।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 17:1-5

1-जब अब्राम निन्यानवे वर्ष का हुआ, तब यहोवा ने उसे दर्शन देकर कहा, मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूं; मेरे आगे चलकर निर्दोष बनो।

2-मैं अपने और तुम्हारे बीच अपनी वाचा को दृढ़ करूंगा, और तुम अपनी संख्या में बहुत वृद्धि करोगे।"

3-अब्राम मुंह के बल गिर पड़ा, और परमेश्वर ने उस से कहा,

4-"तुम्हारे साथ मेरी वाचा यह है: तुम बहुत सी जातियों के पिता बनोगे।

5 अब से तू अब्राम न कहलाएगा; तेरा नाम इब्राहीम होगा, क्योंकि मैं ने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहराया है।"

- परमेश्वर ने अब्राम से बात की, और उसे एक नया नाम दिया।

- नया नाम क्या था जिसे परमेश्वर ने अब्राम को दिया था?

-अब्राहम।

-परमेश्वर ने अब्राम को नया नाम क्यों दिया?

-क्योंकि इब्राहीम के कई वंशज होंगे।

-परमेश्वर ने सराय को एक नया नाम भी दिया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 17:15-16

15-परमेश्वर ने इब्राहीम से यह भी कहा, तेरी पत्नी सारै, अब से तू उसे सारै न कहना; उसका नाम सारा होगा।

16-मैं उसे आशीष दूंगा, और निश्चय उसके द्वारा तुझे एक पुत्र दूंगा। मैं उसे आशीर्वाद दूंगा कि वह राष्ट्रों की माता होगी; उसके पास से देश देश के राजा आएंगे।"

- परमेश्वर ने सारै को क्या नया नाम दिया?

-सारा।

- परमेश्वर ने सराय को नया नाम क्यों दिया?

-क्योंकि सारा के भी कई वंशज होंगे।

-हालाँकि सारा बहुत बूढ़ी और बंजर थी, फिर भी परमेश्वर ने क्या वादा किया था?

- कि सारा कई वंशजों की मां बनेगी।

- कि सारा का एक बेटा होगा।

-आइए पढ़ें कि जब परमेश्वर ने यह वादा किया तो अब्राहम ने क्या किया:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 17:17

17-इब्राहीम मुंह के बल गिर पड़ा; वह हँसा और अपने आप से कहा, "क्या सौ वर्ष के मनुष्य के एक पुत्र उत्पन्न होगा? क्या सारा नब्बे साल की उम्र में एक बच्चे को जन्म देगी?"

- अब्राहम और सारा कितने साल के थे?

-इब्राहीम 100 और सारा 90 साल की थीं।

- इब्राहीम क्यों हंसा?

-क्या इब्राहीम हंसा क्योंकि उसने परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया?

-नहीं।

- इब्राहीम क्यों हंसा?

-अब्राहम हँसे क्योंकि वह और सारा बूढ़े थे, और परमेश्वर उन्हें एक बेटा देने जा रहे थे।

- अब्राहम और सारा कितने साल के थे?

-इब्राहीम 100 और सारा 90 साल की थीं।

-क्या परमेश्वर 100 साल के आदमी और 90 साल की बांझ महिला को बेटा दे सकते थे?

-हां।

- सबसे पहले इंसान को किसने बनाया?

-परमेश्वर।

- पहली महिला किसने बनाई?

-परमेश्वर।

- हर बच्चे को जीवन कौन देता है?

-परमेश्वर।

-क्या ऐसा कुछ है जो परमेश्वर नहीं कर सकता?

-नहीं।

-परमेश्वर 100 साल के आदमी को और 90 साल की बांझ महिला को भी बेटा दे सकते हैं।